# प्रभाकर - पाठ्यक्रम

| | | |
|---|---|---|
| पहला प्रश्न पत्र | हिन्दी-काव्य | पूर्णांक 100 |
| दूसरा प्रश्न पत्र | हिन्दी-गद्य | पूर्णांक 100 |
| तीसरा प्रश्न पत्र | हिन्दी-नाटक | पूर्णांक 100 |
| चौथा प्रश्न पत्र | भारतीय एवं पाश्चात्य समीक्षा | पूर्णांक 100 |
| पांचवां प्रश्न पत्र | हिन्दी साहित्य का इतिहास | पूर्णांक 100 |
| छठा प्रश्न पत्र | हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं निबन्ध लेखन | पूर्णांक 100 |
| सातवां प्रश्न पत्र | ऐच्छिक संस्कृत | पूर्णांक 50 |

## पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

**पहला प्रश्न पत्र** — **हिन्दी-काव्य** — **पूर्णांक 100**

### पाठ्यक्रम

(क) मध्यकालीन हिन्दी-काव्य : कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, घनानंद = 25 अंक

(ख) आधुनिक हिन्दी-काव्य : श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा = 25 अंक

(ग) छायावादोत्तर काव्य : रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, गजानन माधव मुक्तिबोध, धर्मवीर भारती, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, नागार्जुन = 25 अंक

(घ) समकालीन कविता : रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह, लीलाधर जगूड़ी, सुदामा पाण्डेय धूमिल, उदय प्रकाश, सुनीता जैन= 25 अंक

### निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

काव्य संचयिका, प्रोफ़ेसर श्रीराम शर्मा (सम्पादक) वाणी प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 40 रु0 ।

### आवश्यक निर्देश :

1 पहला प्रश्न व्याख्या से सम्बद्ध होगा जिसके अन्तर्गत मध्यकालीन हिन्दी-काव्य, आधुनिक हिन्दी काव्य, छायावादोत्तर काव्य तथा समकालीन कविता अर्थात् खण्ड 'क', 'ख', 'ग', 'घ' में से शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ व्याख्या पूछी जाएगी । इसके लिए 40 अंक निर्धारित हैं । व्याख्या = 10 x 4 = 40 अंक ।

2 दूसरा प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित छः मध्यकालीन कवियों में से किसी एक के साहित्यिक परिचय से सम्बद्ध होगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

3 तीसरा प्रश्न खण्ड (ख) के अन्तर्गत निर्धारित छः कवियों में से किसी एक कवि के साहित्यिक परिचय, काव्यगत विशेषताओं, कविता के काव्य एवं शिल्प पर पूछा जाएगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

4 चौथा प्रश्न छायावादोत्तर कवियों की काव्यगत विशेषताओं पर पूछा जाएगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

5 पांचवां प्रश्न 'समकालीन कविता' खण्ड के अन्तर्गत निर्धारित कवियों के काव्य सौन्दर्य, काव्यगत विशेषताओं, भाषा-शैली पर पूछा जाएगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

## दूसरा प्रश्न पत्र — हिन्दी-गद्य — पूर्णांक 100

### पाठ्यक्रम

(क) निबन्ध, रेखाचित्र, ललित निबन्ध, व्यंग्य, यात्रा वृत्तान्त, जीवनी, संस्मरण, डायरी आदि = 30 अंक
(ख) कहानी । = 30 अंक
(ग) उपन्यास । = 30 अंक
(घ) हिन्दी-गद्य की विकास यात्रा । = 30 अंक

### निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें

(क) गद्य-धारा, प्रोफ़ेसर कुमार कृष्ण (सम्पादक) अरुणोदय प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 40 रु0 । संकलित लेखक : प्रेमचन्द, गुलाबराय, महादेवी वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, काशीनाथ सिंह, सुनीता जैन ।

(ख) कथा-सप्तक, प्रोफ़ेसर जगतपाल शर्मा (सम्पादक) अरुणोदय प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 40 रु0 । संकलित कहानीकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र कुमार, अमरकान्त, राजेन्द्र यादव, भीष्म साहनी, विजयदान देथा, उदय प्रकाश ।

(ग) राग दरबारी, श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकशन, दिल्ली ।

### आवश्यक निर्देश

1 इस प्रश्न पत्र में कुल पाँच प्रश्न होंगे । पहला प्रश्न व्याख्या से सम्बन्धित होगा, जिसमें 'क', 'ख' तथा 'ग' उप खण्डों के अन्तर्गत निर्धारित गद्य विधाओं, कहानियों तथा उपन्यास से क्रमशः दो-दो अनुच्छेद व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे । उनमें से किसी एक की व्याख्या करनी होगी । गद्य धारा = 15 अंक, कथा सप्तक = 15 अंक, राग दरबारी = 15 अंक । व्याख्या के लिए कुल 45 अंक निर्धारित हैं ।

2 दूसरा प्रश्न 'गद्य धारा' पुस्तक में संकलित निबन्ध, रेखाचित्र, ललित निबन्ध, व्यंग्य, यात्रा वृत्तान्त, जीवनी, संस्मरण, डायरी आदि के सार अथवा उसकी समीक्षा से सम्बद्ध होगा । इसके लिए दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक का उत्तर देना होगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

3 तीसरा प्रश्न निर्धारित कहानियों की तात्विक समीक्षा अथवा कहानीकार की कहानीकला से सम्बन्धित होगा । इसके अन्तर्गत दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

4 चौथा प्रश्न निर्धारित उपन्यास की तात्विक समीक्षा, प्रमुख पात्रों के चरित्र-चित्रण, उपन्यास में चित्रित समस्याओं, उपन्यास के प्रतिपाद्य, भाषा-शैली आदि से सम्बन्धित होगा । इसके अन्तर्गत दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा । इसके लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।

5 पांचवां प्रश्न दस अंकों का होगा । हिन्दी गद्य की विकास-यात्रा पर दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा ।

तीसरा प्रश्न पत्र — हिन्दी-नाटक — पूर्णांक 100

पाठ्यक्रम

(क) आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश = 30 अंक
(ख) अंधा युग : धर्मवीर भारती = 30 अंक
(ग) रंग सप्तक : प्रोफेसर सरस्वती भल्ला (सं0) वाणी प्रकाशन, दिल्ली, मूल्य 40 रु0 ।
राम कुमार वर्मा, उपेन्द्रनाथ 'अश्क', हरिकृष्ण प्रेमी, विष्णु प्रभाकर,
भगवती चरण वर्मा, लक्ष्मीनारायण लाल और सुरेन्द्र वर्मा = 30 अंक
(घ) हिन्दी-नाटक तथा एकांकी की विकास-यात्रा = 10 अंक

आवश्यक निर्देश

1 पाठ्यक्रम के खण्ड 'क', 'ख' तथा 'ग' से शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ व्याख्या पूछी जाएगी । व्याख्या के लिए पूछा गया एक अनुच्छेद 15 अंकों का होगा ।
व्याख्या = 15 x 3 = 45 अंक ।

2 खण्ड 'क', 'ख' तथा 'ग' से शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित हैं ।
आलोचनात्मक प्रश्न = 15 x 3 = 45 अंक ।

3 खण्ड 'घ' से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा । इस प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं ।

## चौथा प्रश्न पत्र — भारतीय एवं पाश्चात्य समीक्षा — पूर्णांक 100

### पाठ्यक्रम

(क)
1. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा ।
2. अलंकार, रीति, ध्वनि, औचित्य, वक्रोक्ति एवं रस-सिद्धान्त का सामान्य परिचय ।
3. काव्य के तत्त्व, काव्य प्रयोजन व काव्य हेतु और शब्द-शक्तियां : सामान्य विवेचन ।

(ख)
1. पाश्चात्य समीक्षा का क्रमिक विकास
2. प्लेटो, अरस्तू, लौंजाइनस, वर्डसवर्थ एवं मैथ्यू आर्नल्ड के सिद्धान्तों का सामान्य परिचय
3. नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद और नई समीक्षा की सामान्य विशेषताएं ।

### अनुशंसित पुस्तकें

(क)
1. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, कृष्णदेव शर्मा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा ।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, सुरेश अग्रवाल, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
3. सुगम काव्यशास्त्र, डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी, डॉ0 सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर ।

(ख)
1. आलोचक और आलोचना, डॉ0 बच्चनसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, डॉ0 शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

### आवश्यक निर्देश

1. इस प्रश्नपत्र में कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे ।
2. प्रत्येक प्रश्न (20) बीस अंकों का होगा ।
3. पाँच प्रश्न भाग 'क' से और पाँच भाग 'ख' से पूछे जाएंगे ।
4. भाग 'क' व 'ख' प्रत्येक से परीक्षार्थियों को दो-दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं, शेष एक प्रश्न अपनी इच्छानुसार परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है ।
5. दस प्रश्नों में से परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं ।
6. प्रश्न सामान्य परिचय एवं विशेषताओं तक ही सीमित होंगे ।

## पाँचवां प्रश्न पत्र हिन्दी साहित्य का इतिहास पूर्णांक 100

### पाठ्यक्रम

(क) साहित्येतिहास लेखन की परम्परा एवं काल विभाजन ।

(ख) आदि काल : नामकरण सम्बन्धी विभिन्न मत, तत्कालीन परिस्थितियां, प्रामाणिक ग्रन्थ एवं प्रमुख प्रवृत्तियां ।

(ग) भक्ति काल : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक स्थिति, प्रमुख काव्यधाराएं, प्रमुख कवि एवं प्रमुख प्रवृत्तियां ।

(घ) रीति काल : नामकरण, तत्कालीन परिस्थितियां, विविध काव्य धाराएं, प्रमुख कवि एवं प्रमुख प्रवृत्तियां ।

(ङ) आधुनिक काल : खड़ी बोली गद्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख गद्य निर्माता, विभिन्न गद्य-विधाओं-निबन्ध, कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी आदि का उद्भव एवं विकास ।

पद्य-साहित्य : भारतेन्दु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता, छायावादी कविता, प्रगतिवादी कविता, स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी-कविता के प्रमुख वाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता - उनकी प्रमुख विशेषताएं तथा प्रमुख कवि, हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कवि ।

### आवश्यक निर्देश

1. इस प्रश्न पत्र में कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पांच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । 20 x 5 = 100 अंक ।
2. इस प्रश्न पत्र में एक प्रश्न हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध कवियों पर पूछना आवश्यक होगा ।
3. प्रश्न पत्र निर्माता यदि उचित समझे तो दस-दस अंकों की दो टिप्पणियां पूछ सकता है । टिप्पणियां पर्याप्त विकल्पों के साथ पूछी जानी चाहिए ।

### अनुशंसित पुस्तकें

इस प्रश्न पत्र के लिए किसी पाठ्य पुस्तक को निर्धारित नहीं किया गया । विद्यार्थी निम्नलिखित पुस्तकों में से किसी से भी सहयोग ले सकते हैं -

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास, रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
2 हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, दिल्ली ।
4 हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, शिव कुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

## छठा प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा का स्वरूप एवं निबन्ध-लेखन पूर्णांक 100

### पाठ्यक्रम

(क) 1. हिन्दी : विकास और प्रभाव ।
2. पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी ।
3. हिन्दी की ध्वनियां ।
4. स्वर एवं व्यंजन सम्बन्धी अशुद्धियां ।
5. बलाघात ।
6. विराम-चिन्ह ।
7. संधि एवं समास ।
8. उपसर्ग एवं प्रत्यय ।
9. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया सम्बन्धी अशुद्धियां । = 80 अंक

(ख) किसी एक साहित्यिक विषय पर निबन्ध-लेखन । = 20 अंक

### निर्धारित पाठ्य पुस्तक

(क) अपनी हिन्दी सुधारें, डॉ0 विजय अग्रवाल, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार; पटियाला हाउस, नई दिल्ली-110001 ।

(ख) निबन्ध-लेखन के लिए कोई पुस्तक निर्धारित नहीं की गई ।

### आवश्यक निर्देश

1. परीक्षक द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक के आधार पर खण्ड 'क' से आठ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं । 20 x 4 = 80 अंक ।
2. साहित्यिक विषयों से सम्बद्ध पांच निबन्ध पूछे जाएंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा । इसके लिए 20 अंक निर्धारित हैं ।

## सातवां प्रश्न पत्र — ऐच्छिक संस्कृत — पूर्णांक 100

### पाठ्यक्रम

(क) पाठ्यपुस्तक = 30 अंक
(ख) व्याकरण = 20 अंक

### निर्धारित पाठ्यांश

(क) अपरीक्षितकारकम्, व्याख्याकार श्यामनारायण पाण्डेय, प्रकाशक : मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, वाराणसी, पटना, मद्रास ।

द्रष्टव्य : इस पुस्तक की पांचवीं कथा 'मत्सयमण्डूककथा' से लेकर अन्तिम कथा 'ब्राह्मणकूटकथा' तक पाठ्यक्रम में निर्धारित है । = 30 अंक

(ख) व्याकरण

1. शब्दरूप : राम, हरि, गुरु, रमा, नदी, वधू, अस्मद्, युष्मद्, पितृ, आत्मन्, तद् (तीनों लिंगों में) = 5 अंक
2. धातुरूप : अस, दा, कृ, क्रीड़, लिख, स्था का लट्, लोट, विधिलिंग, लङ तथा लृट नामक पांचों लकारों में रूप = 5 अंक
3. संधि : स्वरसंधि, दीर्घ, गुण, यण, वृद्धि एवं अयादि पूर्वरूप, पररूप, प्रकृतिभाव संधि = 5 अंक
3. अनुवाद : पाठ्यक्रम में निर्धारित शब्दरूपों एवं धातुरूपों के प्रयोग से निर्मित अतिसरल पांच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद = 5 अंक

### आवश्यक निर्देश

1. प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्य पुस्तक 'अपरीक्षितकारकम्' के निर्धारित अंशों से दो गद्यांश और दो पद्यांश दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी एक गद्यांश और एक पद्यांश का सप्रसंग सरलार्थ करेगा । इसके लिए 10+10 = 20 अंक नियत हैं ।
2. दूसरे प्रश्न के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से किसी एक कहानी का सार संक्षेप में लिखना होगा । इसके लिए 10 अंक नियत हैं ।